

यमुना तट से बंसीबट से धेनु चराता आया है श्याम—आया है श्याम

मोर पंख धारी पीट पट पहेरे मुरली बजाता आया है श्याम॥

छूटी अलक देखो झलक मानो कमल पै है भंवर गुंजार
दशन दमक चन्दा चमक नैनों में छाई है प्रेम बहार
गाय सुर गौरी जयति किशोरी मोर हूं नचाता आया है श्याम॥

संग में ग्वाल नेही नंद लाल गोधूलि लपटी है लालन के अंग
रूप निहार पलकें बिसार गोप कुमारियां रह गई दंग
दाऊ के भाई कुंवर कन्हाई चित चुराता आया है श्याम॥

नूपुर रुनझुनि मधुर मधुर धुनि श्रवण सुधा रस भर भर देत
छबि के सरोवर चरण मनोहर भव वारिधि के है सुन्दर सेतु
चिर चिर जीवे नित हुलसीवे थिर चर पुलकाता आया है श्याम॥

मातु मुदित मन करत नीज़ारन लाडले लालन को गोद लियो
मातु बलिजाई लाल कन्हाई जनम सफल मेरो आज कियो
भोजन रस रस करते हंस हंस मोद बढ़ाता आया है श्याम॥

नन्द के नन्दन संत उर चन्दन मीठे मीठे बोतल है मैया से बोल
प्रिया दरश हित झांकत इत उत लाल के लोचन हो रहे लोल

देखत दूरि दूरि रस रंग घूरि घूरि बाबल गुण गाता आया है
श्याम॥